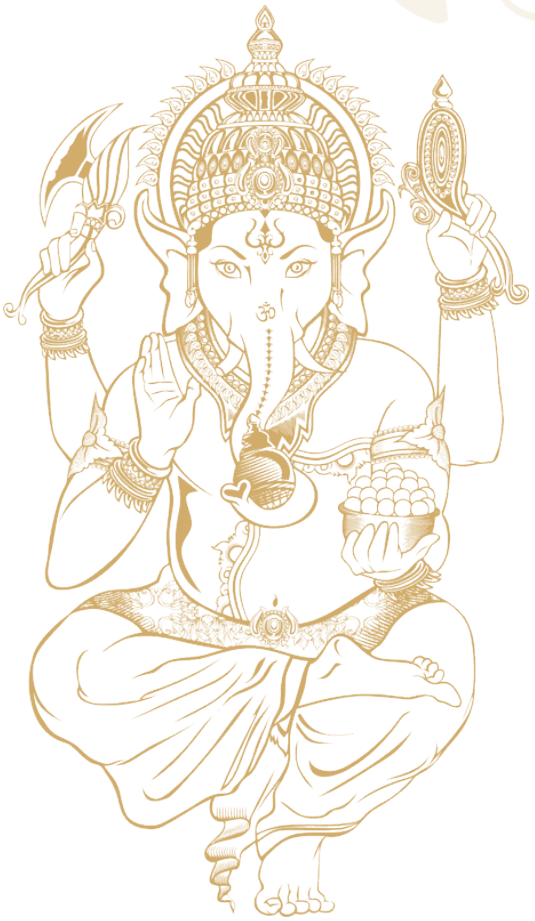

Anand tiwari

05 Oct 2001

08:07 AM

Sultanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121714502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/10/2001**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**08:07:00 घंटे**
इष्ट	05:27:33 घटी
स्थान	**Sultanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:15:00 उत्तर
रेखांश	82:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:05:16 घंटे
वेलान्तर	00:11:32 घंटे
साम्पातिक काल	09:00:39 घंटे
सूर्योदय	05:55:58 घंटे
सूर्यास्त	17:44:02 घंटे
दिनमान	11:48:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	18:03:00 कन्या
लग्न के अंश	16:11:13 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	हर्षण
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूनेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	16:11:13	313:59:35	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	18:03:00	00:59:06	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	सम राशि
चंद्र			मेष	16:49:15	12:31:50	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	सम राशि
मंगल			धनु	21:15:13	00:37:35	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
बुध	व	अ	तुला	05:08:38	00:24:44	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	मित्र राशि
गुरु			मिथु	20:30:36	00:05:20	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	23:17:54	01:13:53	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		वृष	21:01:58	00:00:53	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	06:29:35	00:09:15	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	06:29:35	00:09:15	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	27:18:19	00:01:14	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	12:09:43	00:00:25	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	19:09:00	00:01:21	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			कर्क	18:49:01	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:36

लग्न-चलित

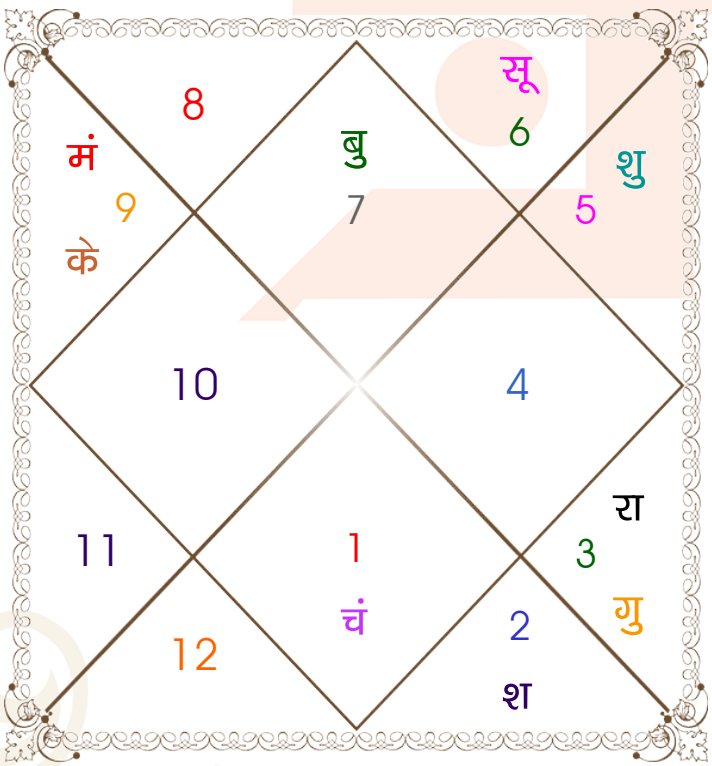

चन्द्र कुंडली

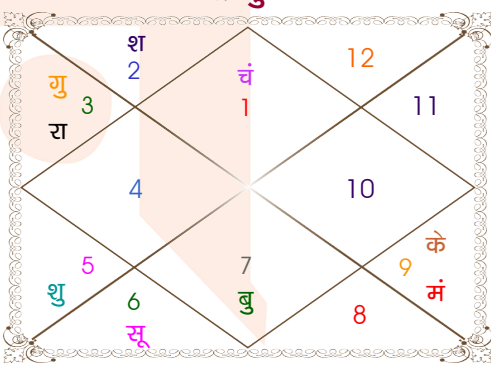

नवमांश कुंडली

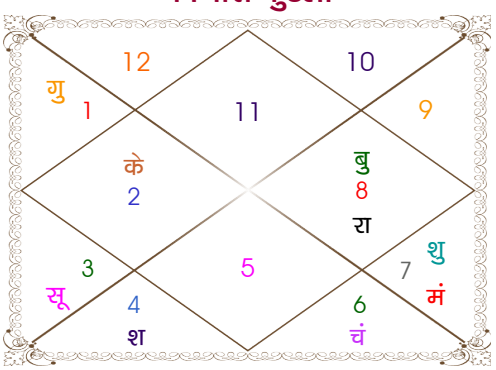

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 14 वर्ष 9 मास 6 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
05/10/2001		12/07/2016		13/07/2022		12/07/2032		13/07/2039	
12/07/2016		13/07/2022		12/07/2032		13/07/2039		12/07/2057	
	00/00/0000	सूर्य	30/10/2016	चंद्र	13/05/2023	मंगल	08/12/2032	राहु	25/03/2042
	05/10/2001	चंद्र	30/04/2017	मंगल	12/12/2023	राहु	27/12/2033	गुरु	18/08/2044
चंद्र	13/07/2002	मंगल	05/09/2017	राहु	12/06/2025	गुरु	03/12/2034	शनि	25/06/2047
मंगल	12/09/2003	राहु	31/07/2018	गुरु	12/10/2026	शनि	12/01/2036	बुध	11/01/2050
राहु	12/09/2006	गुरु	19/05/2019	शनि	12/05/2028	बुध	08/01/2037	केतु	30/01/2051
गुरु	13/05/2009	शनि	30/04/2020	बुध	12/10/2029	केतु	06/06/2037	शुक्र	29/01/2054
शनि	12/07/2012	बुध	07/03/2021	केतु	13/05/2030	शुक्र	06/08/2038	सूर्य	24/12/2054
बुध	13/05/2015	केतु	12/07/2021	शुक्र	12/01/2032	सूर्य	12/12/2038	चंद्र	24/06/2056
केतु	12/07/2016	शुक्र	13/07/2022	सूर्य	12/07/2032	चंद्र	13/07/2039	मंगल	12/07/2057

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
12/07/2057		12/07/2073		12/07/2092		13/07/2109		13/07/2116	
12/07/2073		12/07/2092		13/07/2109		13/07/2116		00/00/0000	
गुरु	31/08/2059	शनि	15/07/2076	बुध	09/12/2094	केतु	10/12/2109	शुक्र	13/11/2119
शनि	13/03/2062	बुध	25/03/2079	केतु	06/12/2095	शुक्र	09/02/2111	सूर्य	12/11/2120
बुध	18/06/2064	केतु	03/05/2080	शुक्र	06/10/2098	सूर्य	16/06/2111	चंद्र	06/10/2121
केतु	25/05/2065	शुक्र	04/07/2083	सूर्य	12/08/2099	चंद्र	16/01/2112		00/00/0000
शुक्र	24/01/2068	सूर्य	15/06/2084	चंद्र	12/01/2101	मंगल	13/06/2112		00/00/0000
सूर्य	11/11/2068	चंद्र	14/01/2086	मंगल	09/01/2102	राहु	01/07/2113		00/00/0000
चंद्र	13/03/2070	मंगल	23/02/2087	राहु	28/07/2104	गुरु	07/06/2114		00/00/0000
मंगल	17/02/2071	राहु	30/12/2089	गुरु	03/11/2106	शनि	17/07/2115		00/00/0000
राहु	12/07/2073	गुरु	12/07/2092	शनि	13/07/2109	बुध	13/07/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 14 वर्ष 8 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।